राष्ट्रीय संस्करण

# दैनिक जागरण

वर्ष 2 अंक 342

मूल्य ₹5 .00, नई दिल्ली, सोमवार, 20 मई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

युवराज सिंह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के दिए संकेत

>> 12

**ध्यान में मोदी– रुझान में मोदी :** राजग को 300 से अधिक सीटों के आसार, हिल सकती हैं तृणमूल की जड़ें, उप्र में भाजपा को हो सकता है नुकसान

# एक्जिट पोल भी एक सुर में बोले–हां, मोदी ही मुमकिन

## मप्र, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तराखंड और झारखंड में भाजपा को भारी सीटें मिलने का अनुमान

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

चुनावी नतीजे तो 23 मई को आएंगे लेकिन रविवार को अतिम चरण के मतदान के साथ ही आए एक्जिट पोल में एक स्वर से लगभग एक दर्जन पोल ने राजग को बहुमत दे दिया। यह सच साबित होता है तो माना जाएगा कि ' एक बार फिर मोदी सरकार' का भाजपा का नारा जनता ने अपना लिया। हालांकि पोल में अकेले भाजपा को 272 के जादुई आंकड़े तक पहुंचते नहीं दिखाया गया है, लेकिन एनडीए को तीन सौ अधिक सीटें मिलने का अनुमान कई चैनलों ने लगाया है। वहीं राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस को तीन अंक का आंकड़ा पहुंचते भी किसी ने नहीं दिखाया।

वर्ष 2014 की तर्ज पर मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, गुजरात, हरियाणा, उत्तराखंड व झारखंड में भाजपा को भारी सीटें मिलने की संभावना है। दिल्ली, हरियाणा, बिहार में तो सौ फीसद सीटें जीतने का भी रुझान दिखाया गया। पश्चिम बंगाल व ओडिशा में भाजपा के दावे के अनुसार ही आश्चर्यजनक नतीजे उसके पक्ष में दिखाए गए हैं। इन राज्यों में क्रमशः तृणमूल और बीजद से भाजपा की सीधी टक्कर दिखाई गई है।

उत्तर प्रदेश को लेकर अलग-अलग एजेंसी के आंकड़े अलग-अलग रहे। कुछ ने महागठबंधन की लहर दिखाई तो कुछ ने भाजपा की, लेकिन ऐसी एजेंसी की संख्या बड़ी रही जिसने यह माना कि महागठबंधन के कारण भाजपा को झटका तो लगा है लेकिन फिर भी वह सबसे बड़े दल के रूप में उभरेगी।

असम और पूर्वोत्तर के राज्यों में भाजपा सियासी स्थिति मजबूत करती दिख रही है। यहां से उसे पिछले चुनाव के मुताबिक ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। सीटों की संख्या के लिहाज से दूसरे सबसे बड़े राज्य महाराष्ट्र में भाजपा शिवसेना कमोबेश अपने पुराने आंकड़े के आसपास दिखी है। कर्नाटक और हरियाणा को ऐसे राज्य के रूप में उभरता दिखाया गया है जहां प्रो इनकंबैंसी का असर सीटों की बढ़ी हुई संख्या में दिख सकता है।

चुनाव में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने देश भर में सरकार के खिलाफ आक्रामक प्रचार किया, लेकिन चुनाव नतीजों में उसका असर नहीं दिख रहा है। हाल में जिन राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का शानदार प्रदर्शन रहा और वहां उनकी सरकारें बनीं, उन राज्यों के एग्जिट पोल में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब दिख रहा है। हालांकि राहुल के अमेठी के साथ केरल के वायनाड से चुनाव लड़ने का असर दक्षिणी राज्यों में दिख सकता है। एग्जिट पोल के मुताबिक केरल ही कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा राज्य साबित हो सकता है जहां वह दर्जन भर से ज्यादा सीटें जीत सकती है। कांग्रेस पार्टी को जहां सौ के आंकड़े के नीचे दिखाया गया है,वहीं कांग्रेस व गठबंधन वाले दलों की सीटों का आंकड़ा सवा सौ के आसपास। दक्षिण भारत के राज्य आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में क्षेत्रीय दलों में टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस और टीआरएस का प्रदर्शन अच्छा होने की संभावना है। वहीं दिल्ली समेत अन्य राज्यों में आप को बमुश्किल एक सीट मिल रही है।

### एक्जिट पोल : 542/543 सीट

लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा 272

| न्यूज चैनल/एजेंसी | भाजपा+ | कांग्रेस+ | अन्य |
|---|---|---|---|
| न्यूज 24–चाणक्य | 350 | 95 | 97 |
| इंडिया टुडे–एक्सिस माय इंडिया | 339-365 | 77-108 | 69-95 |
| इंडिया टीवी–सीएनएक्स | 300 | 120 | 122 |
| सीएनएन आइबीएन–आइपीएसओएस | 336 | 82 | 124 |
| टाइम्स नाउ–वीएमआर | 306 | 142 | 94 |
| रिपब्लिक भारत–जन की बात | 305 | 124 | 113 |
| न्यूज नेशन | 282-290 | 118-126 | 130-138 |
| रिपब्लिक–सी वोटर | 287 | 128 | 127 |
| एबीपी–एसी नीलसन | 267 | 127 | 148 |

### भाजपा संतुष्ट, विपक्ष बोला–उम्मीद से कम

**लखनऊ :** एक्जिट पोल को लेकर जहां उप्र में भाजपाई संतुष्ट दिखे, वहीं विपक्ष को मतगणना होने के बाद उनके पक्ष में और बेहतर नतीजे आने की उम्मीद है। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि 23 मई को गठबंधन को कम आंकने वालों को भी अपनी गलती का अहसास होगा। कांग्रेस प्रवक्ता द्विजेंद्र त्रिपाठी का दावा है कि एजिक्ट पोल में दिखायी जा रही तस्वीर 23 मई के दिन बदल जाएगी। (पेज–6)

मैंने भगवान से कुछ नहीं मांगा। मैं मांगने की प्रवृत्ति से सहमत भी नहीं हूं। लंबे अरसे बाद दो दिन देश और दुनिया के वर्तमान वातावरण से दूर रहा। –**नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

केदारपुरी में रविवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्यान गुफा से निकले। बाहर वह एक चट्टान पर बैठ गए और केदारनाथ मंदिर को निहारते रहे। मोदी ने यहां पर भी कुछ देर ध्यान लगाया। (विस्तृत खबर पेज–7 पर)

### एक्जिट पोल : उत्तर प्रदेश 80 सीट

| न्यूज चैनल/एजेंसी | भाजपा+ | संप्रग+ | महागठबंधन |
|---|---|---|---|
| रिपब्लिक–सी वोटर | 38 | 2 | 40 |
| टाइम्स नाउ–वीएमआर | 58 | 2 | 20 |
| रिपब्लिक– जन की बात | 46–57 | 2–4 | 21–32 |
| इंडिया टुडे–एक्सिस | 65 | 2 | 13 |
| इंडिया टीवी–सीएनएक्स | 50 | 2 | 28 |
| एबीपी–एसी नीलसन | 22 | 2 | 56 |
| न्यूज 24–चाणक्य | 65 | 2 | 13 |

### एक्जिट पोल : दिल्ली 7 सीट

| | भाजपा | कांग्रेस | आप |
|---|---|---|---|
| रिपब्लिक–सी वोटर टाइम्स नाउ–वीएमआर | 6 | 1 | 0 |
| इंडिया टुडे–एक्सिस | 6-7 | 0-1 | 0 |
| एबीपी–एसी नीलसन | 5 | 1 | 1 |
| न्यूज 24–चाणक्य | 7 | 0 | 0 |
| इंडिया टीवी–सीएनएक्स | 7 | 0 | 0 |
| रिपब्लिकन– जन की बात | 6-7 | 0 | 0-1 |

एक्जिट पोल 2019 पेज>>6

### ममता बोलीं, एक्जिट पोल गॉसिप, भरोसा जनादेश पर

**जागरण संवाददाता, कोलकाता :** तृणमूल प्रमुख व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्जिट पोल को गॉसिप करार देते हुए कहा कि उन्हें जनादेश पर विश्वास है। ममता बनर्जी ने तंज कसते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि एक्जिट पोल के नतीजे किस तरह धाराशायी हुए हैं। देश के मतदाता समझदार है, वे अपने दिल की बात नहीं बताते हैं और इस वजह से आप किसी भी एक्जिट पोल के नतीजे पर भरोसा कैसे कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह पीएम का गेमप्लान है क्योंकि अधिकतर नेशनल मीडिया पर केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार का प्रभुत्व है। ममता ने दावा किया कि भाजपा हार रही है और कहा कि हमने विपक्ष के कई नेताओं के साथ बातचीत की है संगठित तौर पर हम सभी एकजुट, मजबूत हैं साथ ही इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि केंद्र में अगली सरकार भाजपा की नहीं बनेगी।

### महासमर 2019


- दल नहीं चेहरे पर केंद्रित रहा लोकसभा का चुनाव • पेज 4
- जम्मू कश्मीर में मतदाताओं ने तोड़ी आतंकवाद की चुनौती • पेज 4
- लोकतंत्र के उत्सव के लिए सज संवर कर निकली काशी • पेज 5
- कीमोथेरेपी से पहले व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंचीं मनराज • पेज 5


### विश्वास News

अखिलेश के साथ योगी नहीं, उनके हमशक्ल हैं ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज 6

### न्यूज गैलरी


**राज–नीति** ▸ पृष्ठ 3

**शिक्षण संस्थानों में यौन उत्पीड़न के मामलों पर यूजीसी सख्त**

**नई दिल्ली :** उच्च शिक्षण संस्थानों में यौन उत्पीड़न के मामलों पर प्रभावी रोकथाम के लिए यूजीसी कड़े कदम उठाने की तैयारी में है। आयोग ने संस्थानों से यौन उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतों का ब्योरा मांगा है। 90 दिन से ज्यादा पुराने मामलों का अलग से ब्योरा मांगा है।

**नेशनल न्यूज** ▸ पृष्ठ 10

**दबंगों ने नहीं निकालने दी घोड़ी पर बैठे दलित दूल्हे की बरात**

**श्योपुर :** मध्य प्रदेश के श्योपुर तहसील की अड़वाड़ ग्राम पंचायत के खेड़री गांव में शनिवार रात घोड़ी पर बैठकर शादी के मंडप की ओर जा रहे अनुसूचित जाति के दूल्हे को दबंगों ने बस्ती के बाहर ही रोक दिया। विवाद के बावजूद दबंगों ने दूल्हे को अपने मोहल्ले की सड़कों से गुजरने नहीं दिया।


# आखिरी चरण में भी हिंसा से अछूता नहीं रहा पश्चिम बंगाल

## आठ राज्यों की 59 सीटों पर 64 फीसद मतदान

**जेएनएन, नई दिल्ली**

▸ प्रधानमंत्री मोदी समेत 918 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद

▸ पंजाब में खडूर साहिब क्षेत्र के तरनतारन में एक व्यक्ति की हत्या

सत्रहवीं लोकसभा के लिए सात चरणों में हुआ मतदान रविवार को संपन्न हो गया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण से शुरू हुई हिंसा आखिरी चरण तक जारी रही। वहीं, पंजाब में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई, जबकि उत्तर प्रदेश में भी मारपीट की घटनाएं हुईं। आखिरी चरण में आठ राज्यों की 59 के लिए 64 फीसद वोट पड़े। इस प्रकार 542 सीटों पर आठ हजार से ज्यादा प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम में बंद हो गए। आखिरी चरण में पीएम मोदी समेत 918 प्रत्याशी मैदान में थे। पिछले छह चरणों में औसत 66.88 फीसदी वोट पड़े थे।

पश्चिम बंगाल में जाधवपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी अनुपम हजारा पर हमला हुआ। उनकी कार में तोड़फोड़ की गई। डायमंड हार्बर से भाजपा प्रत्याशी नीलांजन रॉय ने भी आरोप लगाया कि बज बज में उनकी कार में तोड़फोड़ की गई। उत्तर कोलकाता से प्रत्याशी राहुल सिन्हा के मुताबिक, गिरीश पार्क में उनके वाहन पर बम फेंका गया। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय बलों पर भाजपा के आदेशों पर काम करने तथा वोटरों को 'धमकाने' का आरोप लगाया है। कोलकाता दक्षिण से तृणमूल प्रत्याशी माला रॉय ने मतदान बूथ में जाने से रोके जाने का आरोप लगाया।

**पीएम के संसदीय क्षेत्र में 58 फीसद से ज्यादा वोटिंग:** उप्र में 13 सीटों पर मतदान हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 58.05 फीसदी मतदान हुआ। चंदौली में भाजपा-सपा कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। अलीनगर थाना क्षेत्र के तारा जीवनपुर गांव में दलितों ने आरोप लगाया कि वोट देने से पहले ही उनकी अंगुलियों पर स्याही के निशान लगा दिए गए। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

पंजाब में 13 सीटों के लिए मतदान हुआ। खडूर साहिब क्षेत्र के तहत तरनतारन के सरली कलां गांव में वोट डालकर लौटते समय कांग्रेस कार्यकर्ता बंटी सिंह (24) की हत्या कर दी गई। बठिंडा और गुरदासपुर में कांग्रेस और अकाली-भाजपा कार्यकर्ताओं में संघर्ष हुआ। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की इकलौती सीट के लिए भी वोट डाले गए। आखिरी चरण में बिहार की आठ सीट पर मतदान हुआ। आरा, सासाराम, जहानाबाद, पाटिलीपुत्र, बक्सर में ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायतें मिली। झारखंड में भी तीन सीटों पर वोटिंग हुई। बंगाल के बाद यहां सबसे ज्यादा मतदान हुआ। हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर ईवीएम में मामूली गड़बड़ी को छोड़कर चारों सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। मध्य प्रदेश में आठ सीटों पर भी मतदान शांति से गुजर गया। देवास और मंदसौर सीट के कुछ मतदान केंद्रों पर लोगों ने अपनी मांगों को लेकर चुनाव का बहिष्कार किया।

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में रविवार को भाटपाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं की बीच हिंसक झड़प और आगजनी हुई। प्रेट्र

### कहां कितना मतदान

| प्रदेश | सीट | मतदान (फीसद) |
|---|---|---|
| उप्र | 13 | 56.84 |
| पंजाब | 13 | 65.77 |
| प. बंगाल | 9 | 73.51 |
| मप्र | 8 | 71.15 |
| बिहार | 8 | 53.55 |
| हिप्र | 4 | 71.00 |
| झारखंड | 3 | 70.54 |
| चंडीगढ़ | 1 | 63.57 |

विशेष आयोजन पेज>>5

# पंजाब में मतदान के दिन ही कांग्रेस में भूचाल

**कैलाश नाथ, चंडीगढ़**

▸ कैप्टन बोले– मुझे हटाकर मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं नवजोत सिंह सिद्धू

▸ कहा– मतदान से पहले सिद्धू की गलत टिप्पणी से कांग्रेस को नुकसान

पंजाब में मतदान के दिन ही कांग्रेस में भूचाल आ गया। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के बयान को लेकर मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'मतदान से ठीक पहले मेरे व पार्टी नेतृत्व के खिलाफ की गई सिद्धू की गलत टिप्पणी से कांग्रेस को नुकसान हुआ है। सिद्धू महत्वाकांक्षी हैं। वह मुझे हटाकर मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं।' हालांकि सिद्धू पर कार्रवाई का फैसला हाईकमान के हाथ है, पर कांग्रेस अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेगी। वहीं, मुख्यमंत्री के बाद कैबिनेट मंत्री ब्रह्म मोहिंदरा, सुखजिंदर सिंह रंधावा और तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा ने भी सिद्धू के बयान पर सख्त नाराजगी जताई है। पंजाब कैबिनेट में जिस प्रकार सिद्धू के खिलाफ तापमान बढ़ गया है, उससे इस बात के स्पष्ट संकेत मिलने शुरू हो गए हैं कि सिद्धू की राह आने वाले समय में आसान नहीं रहेगी।

अमरिंदर सिंह नवजोत सिंह सिद्धू

सिद्धू के बयान पर दो दिनों तक चुप्पी साधे रहे कैप्टन ने रविवार को कहा,'सिद्धू सच्चे कांग्रेसी होते तो अपनी शिकायत रखने के लिए सही समय का चयन करते न कि मतदान से ठीक पहले इस तरह का बयान देते। पार्टी में अलग-अलग विचार होते हैं, लेकिन सिद्धू जो तरीका अपनाया वह गलत हैं। वह मुख्यमंत्री बनने के लिए इतने उतावले हैं कि उनको समय और मौके का भी ध्यान नहीं रहता।' सिद्धू गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी से पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं, कैप्टन के समर्थन में आए कैबिनेट मंत्री ब्रह्म मोहिंदरा ने कहा, सिद्धू सिर्फ दो साल पहले कांग्रेस में आए हैं। अपना एजेंडा अन्य लोगों पर भी लागू कर रहे हैं। इसका हाईकमान को गंभीर नोटिस लेना चाहिए। सुखजिंदर सिंह ने कहा, पार्टी को सिद्धू ही नहीं बल्कि राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह दूलों और प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ भी कार्रवाई करनी चाहिए।

**यह कहा था सिद्धू ने :** सिद्धू ने 17 मई को बठिंडा की रैली में बिना नाम लिए कहा था कि मिल-बांट कर खाने वालों और फ्रेंडली मैच खेलने वालों को ठोक दो। उनका इशारा कैप्टन और बादलों की ओर था। उन्होंने कहा था कि बेअदबी कांड पर आयोग की रिपोर्ट पर कार्रवाई के बजाय एसआइटी गठन की क्या जरूरत थी। वहीं, सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने भी चंडीगढ़ से टिकट कटने के लिए कैप्टन को जिम्मेदार ठहराया था।

### दिल्ली में शादी समारोह में तय होंगी अतिथियों की संख्या

**नई दिल्ली :** दिल्ली में होटल, मोटल और फार्म हाउसों में होने वाली शादी-समारोहों में खाने की बर्बादी नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दिल्ली सरकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए नीति तैयार की है। इसके अनुसार अब शादी समारोहों के लिए आयोजकों को स्थानीय निकायों को सात दिन पहले बताना होगा कि बाराती कितने होंगे। यह भी निर्धारित करना होगा कि घुड़चढ़ी सड़क पर नहीं होगी। जितनी कारों की व्यवस्था होगी उससे चार गुना अतिथि ही समारोह में शामिल हो सकेंगे। बैंड बाजे का समय 10 बजे तक ही निर्धारित होगा। बनाई गई नीति पर जनता व फार्म हाउस मालिकों की ओर से कुछ सुझाव दिए गए हैं। (पेज–2)

# प्री–मानसून बारिश में 22 फीसद की गिरावट

▸ एक मार्च से 15 मई के बीच हुई 75.9 मिलीमीटर बरसात

▸ दक्षिणी राज्यों में प्री–मानसून बारिश में 46 फीसद की सर्वाधिक कमी दर्ज

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भारत में प्री-मानसून बारिश में इस बार 22 फीसद की कमी आई है। भारतीय मौसम विभाग ने एक मार्च से 15 मई की अवधि में 75.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की है, जबकि इसी अवधि में सामान्य रूप से 96.8 मिलीमीटर वर्षा होती है। मार्च से मई के दौरान की यह बारिश देश के कई भागों में कृषि के लिए अहम होती है। वहीं, देश में मानसून के आने की रफ्तार ठीक है। दक्षिण-पश्चिम अंडमान सागर में मानसून की स्थिति बेहतर हुई है। वह अगले 2-3 दिन में अंडमान द्वीप पहुंच जाएगा।

मौसम विभाग के चार मंडलों में से दक्षिणी प्रायद्वीप (सभी दक्षिणी राज्य) क्षेत्र में प्री-मानसून बारिश में 46 फीसद की कमी दर्ज की गई है, जो कि देश में सर्वाधिक है। उत्तर-पश्चिमी उपमंडल (सभी उत्तरी राज्य) में 36 फीसद ही प्री-मानसून बारिश हुई है। यहां पर वैसे एक मार्च से 24 अप्रैल तक 38 फीसद बारिश होती है। लिहाजा, इस उपमंडल में प्री-मानसून बारिश में दो फीसद की कमी आई है।

पूर्वी (झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पूर्वोत्तर के सभी राज्यों की प्री-मानसून बारिश में सात फीसद की कमी रही। मध्य क्षेत्र (महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्य प्रदेश) में पांच फीसद प्री-मानसून बारिश हुई जो कि सामान्य है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्व महानिदेशक लक्ष्मण सिंह राठौर ने बताया कि पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों और पश्चिमी घाटों में प्री-मानसून बारिश दरअसल पौधारोपण वाली फसलों के लिए बेहद अहम है। मध्य भारत में गन्ना और कपास जैसी फसलें सिंचाई पर ही निर्भर हैं। उन्हें पूरक के तौर पर प्री-मानसून बारिश की भी जरूरत पड़ती है। हिमालय के वन क्षेत्र में प्री-मानसून बारिश सेब की खेती के लिए बेहद जरूरी है।

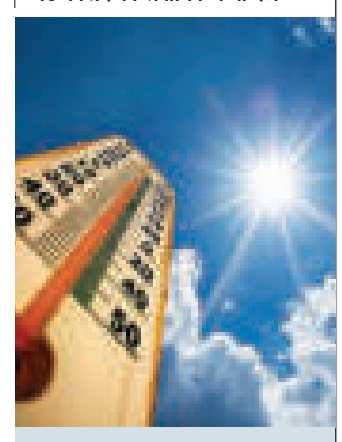

### भारतीय मानसून और एटलांटिक नीनो में संबंध

**दुबई, प्रेट्र :** भारत में गर्मियों में होने वाली बारिश और अटलांटिक सागर की सतह के तापमान में गड़बड़ी का आपसी संबंध है। इस नई जानकारी से भविष्य में भारत में मानसून की और सटीक भविष्यवाणी की जा सकेगी। अबूधाबी में बसे भारतीय मौसम वैज्ञानिक अजय रविंद्रन के नेतृत्व में हुए शोध में बताया गया है कि गर्म होती दुनिया में बढ़ते टेलीकनेक्शन और भारतीय ग्रीष्म मानसूनी बारिश के बीच संबंध है। दरअसल, अटलांटिक सागर में असामान्य गर्मी या सर्दी को अटलांटिक जोनल मोड (एजेडएम) या अटलांटिक नीनो कहते हैं। इसे अफ्रीका के मौसम को प्रभावित करने वाले के रूप में जाना जाता है।

### सुप्रीम फैसला

शीर्ष अदालत ने संपत्ति बंटवारे के मामले में दी अहम व्यवस्था, हिंदू उत्तराधिकार कानून का हवाला देते हुए बेटी को हिस्सेदार ठहराया

# संपत्ति बंटवारे के मुकदमे में बेटी जरूरी पक्षकार

**माला दीक्षित, नई दिल्ली**

▸ सुप्रीम कोर्ट ने कहा, माता–पिता की जायदाद में पुत्री का भी हक, निचली अदालत व हाईकोर्ट का पक्षकार बनने की अर्जी खारिज करना गलत,

▸ कहा,अगर माता–पिता ने वसीयत नहीं की और देहांत हो गया तो भी बेटियां पहली श्रेणी की उत्तराधिकारी

सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि माता-पिता की संपत्ति में बेटी का हक है। अगर माता-पिता वसीयत नहीं कर गए हैं तो हिंदू उत्तराधिकार कानून के मुताबिक बेटियां भी पहली श्रेणी की उत्तराधिकारी मानी जाती हैं। ऐसे में संपत्ति बंटवारे के मुकदमे में बेटी जरूरी पक्षकार है। इसके साथ ही कोर्ट ने संपत्ति बंटवारे के मुकदमें में बेटी की पक्षकार बनने की अर्जी खारिज करने का निचली अदालत और इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला रद कर दिया है।

यह फैसला यूयू ललित और इंदू मल्होत्रा की पीठ ने माता-पिता की संपत्ति पर दावा ठोकने वाली बहन के वारिसों की याचिका स्वीकार करते हुए सुनाया है। कोर्ट ने बेटी के हक का दावा कर रहे वकील डीके गर्ग की दलीलें स्वीकार करते हुए कहा कि अगर माता-पिता ने वसीयत नहीं की है और उनका देहांत हो गया है तो हिंदू उत्तराधिकार कानून के सिद्धांत के मुताबिक पहली श्रेणी के उत्तराधिकारियोंमें बेटियां शामिल हैं और उन्हें माता पिता से मिली संपत्ति में हिस्सा पाने का पूरा हक है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह याचिकाकर्ता श्रीकांता जैन को अपने माता-पिता अंबा प्रसाद जैन और देवी जैन की संपत्ति में दावा करने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि श्रीकांता जैन संपत्ति बंटवारा लागू करने के लिए दाखिल माया प्रकाश जैन (भाई) के मुकदमे में जरूरी पक्षकार है।

माया प्रकाश जैन के वकील ने बहन को पक्षकार बनाने का विरोध करते हुए कहा कि माता-पिता वसीयत कर गए हैं और उसमें उन्होंने संपत्ति सिर्फ बेटों को दी है। कोर्ट ने कहा कि बताई जा रही वसीयत अभी कोर्ट में साबित होनी बाकी है। अगर वसीयत साबित नहीं हुई तो पहली श्रेणी की उत्तराधिकार होने के चलते बेटियों का संपत्ति में हिस्सा होगा और इसलिए उस कार्यवाही में भी बेटियां जरूरी पक्षकार होंगी। कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत और हाईकोर्ट का श्रीकांता जैन की पक्षकार बनने की अर्जी खारिज करना गलत है। कोर्ट ने संपत्ति बंटवारा लागू करने के भाई के मुकदमे में श्रीकांता जैन के वारिसों को पक्षकार बनाने की अर्जी स्वीकार कर ली।

यह मामला संपत्ति बंटवारे की 1966 की डिक्री लागू कराने के मुकदमे से जुड़ा है। अंबा प्रसाद जैन और देवी जैन के चार पुत्र और चार पुत्रियां थीं। 1966 में बड़े बेटे ने पिता की संपत्ति में बंटवारे का मुकदमा दाखिल किया जिसे 1966 में मौखिक पारिवारिक समझौते के आधार पर दिल्ली की अदालत ने मेरठ और सहारनपुर स्थित संपत्ति बंटवारे की डिक्री पारित कर दी। इसके बाद अंबा प्रसाद के एक पुत्र माया प्रकाश जैन ने 2006 में 1966 की डिक्री को आधार बनाते हुए संपत्ति बंटवारे को लागू करने का केस किया। अंबा प्रसाद की बेटी श्रीकांता जैन ने मुकदमे में पक्षकार बनाने की मांग की जिसे कोर्ट यह कहते हुए अर्जी खारिज कर दिया कि उसे 1966 की डिक्री की जानकारी थी लेकिन उसने उसे चुनौती नहीं दी। अब वह पक्षकार नहीं बन सकती। हाईकोर्ट ने भी अर्जी खारिज कर दी थी जिसके बाद श्रीकांता के वारिस सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा, 1966 में मौखिक समझौते के मुताबिक संयुक्त परिवार की संपत्ति का बंटवारा उस समय लागू हिंदू लॉ के मुताबिक माता-पिता और पुत्रों के बीच हुआ था। इसमें सिर्फ पति-पत्नी और पुत्र आते थे। उस समय बेटियां संयुक्त परिवार की संपत्ति में हिस्से का दावा नहीं कर सकती थीं। कोर्ट ने कहा कि 1966 की डिक्री में कोई खामी नहीं थी। श्रीकांता उसमें हिस्से का दावा नहीं कर सकती थीं। ऐसे में उसके डिक्री को चुनौती न देने का कोई फर्क नहीं पड़ेगा। माता-पिता की मृत्यु के बाद बेटियां उस बंटवारे में माता-पिता को मिली संपत्ति में हिस्सा पाने की अधिकारी हैं।